चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 03 फ़रवरी 2026, अंक –206.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

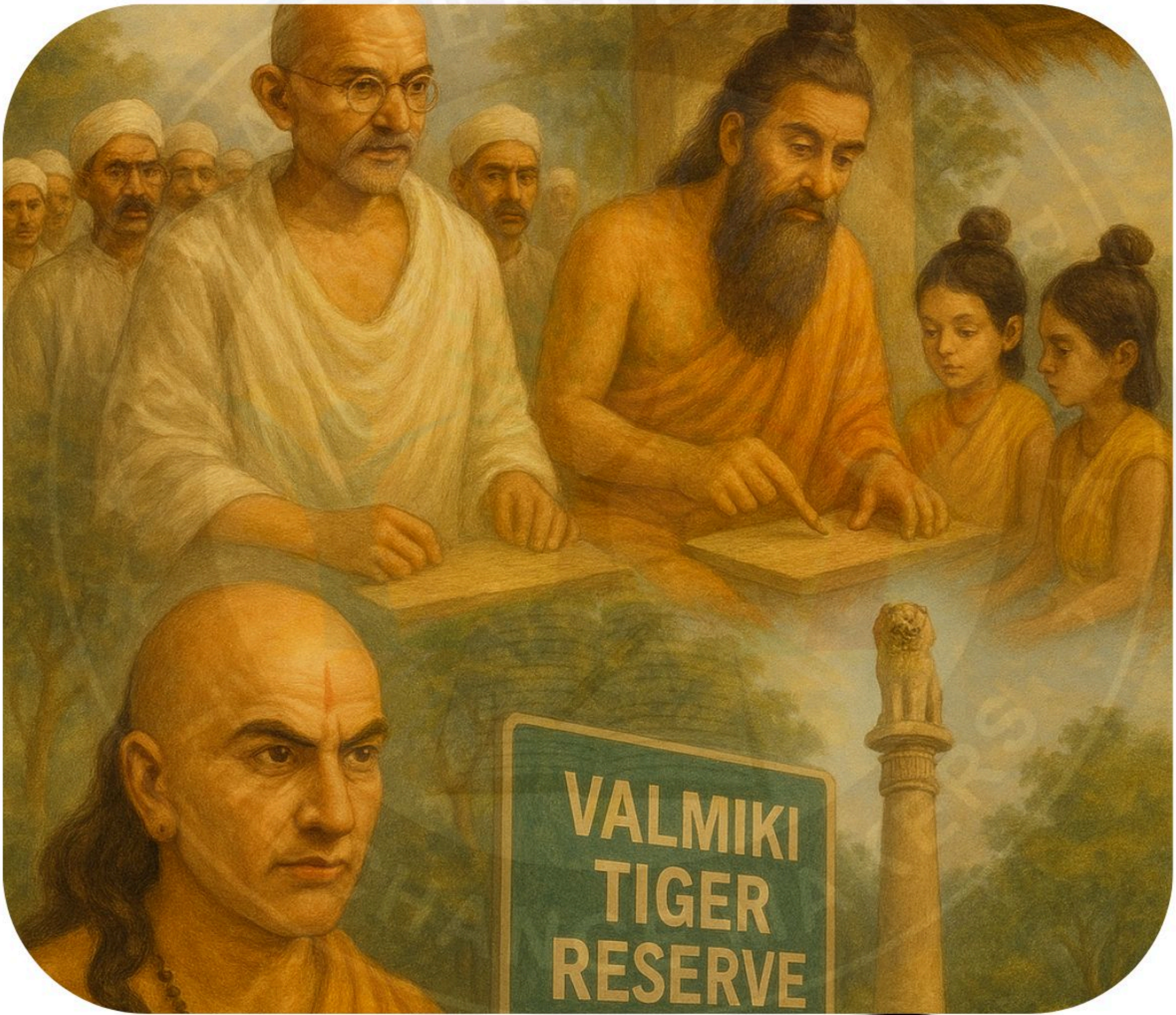

"हर दिन एक नई शुरुआत है।"
— दलाई लामा

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बनी नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न स्वरूप, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण कृपा।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं और तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्।
वंदे मातरम् !
शुभ्रज्योत्स्नां पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्।।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

1: ओडिशा की राजधानी कहाँ है?
उत्तर:भुवनेश्वर
प्रश्न 2: विश्व की सबसे ऊँची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?
उत्तर:एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे (1953)
प्रश्न 3: मकर संक्रांति पर भारत के किस राज्य में पतंग उड़ाने की परंपरा है?
उत्तर:गुजरात और राजस्थान में। गुजरात के अहमदाबाद में 'अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव' के साथ यह पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है।
प्रश्न 4: आयत की कितनी भुजाएँ होती हैं?
उत्तर:4
प्रश्न 5: बिहार के किस शहर को 'सिल्क सिटी' कहा जाता है?
उत्तर:भागलपुर
प्रश्न 6: रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में है?
उत्तर:राजस्थान
प्रश्न 7: कार का आविष्कार किसने किया? (आधुनिक गैसोलीन कार)
उत्तर:कार्ल बेंज (जर्मनी)
प्रश्न 8: भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री कौन थीं?
उत्तर:श्रीमती सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश, 1963)
प्रश्न 9: 'रात' का पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर:निशा, यामिनी, रजनी
प्रश्न 10: पृथ्वी के वायुमंडल में सबसे अधिक मात्रा में पाई जाने वाली गैस कौन सी है?
उत्तर:नाइट्रोजन (लगभग 78%)

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

संकेतवाचक सर्वनाम (Demonstrative Pronouns)

1. This – (दिस) – यह (पास की एक वस्तु/व्यक्ति)
2. That – (दैट) – वह (दूर की एक वस्तु/व्यक्ति)
3. These – (दीज़) – ये (पास की अनेक वस्तुएँ/व्यक्ति)
4. Those – (दोज़) – वे (दूर की अनेक वस्तुएँ/व्यक्ति)

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

Command:

*कितनी उम्र है?: HOW OLD ARE YOU?
* मैं सात साल का हूँ: I AM SEVEN YEARS OLD.

* लंच करो → Have your lunch.
* आराम से खाओ → Eat slowly.

सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहाँ
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 3 फरवरी को कौन सा अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: अंतर्राष्ट्रीय ब्लैडर कैंसर जागरूकता दिवस
व्याख्या: 3 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय ब्लैडर कैंसर जागरूकता दिवस (World Bladder Cancer Awareness Day) का उद्देश्य मूत्राशय कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इसके लक्षणों, रोकथाम और उपचार विकल्पों के बारे में शिक्षित करना है। यह दिवस वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों द्वारा मान्यता प्राप्त है और समय पर निदान व उपचार को बढ़ावा देता है।
संदर्भ: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) कैलेंडर 2026।

2. फरवरी 2026 में भारत ने किस देश के साथ "स्पेस डेब्रीस मैनेजमेंट" समझौते पर हस्ताक्षर किए? (समसामयिकी)
उत्तर: फ्रांस
व्याख्या: अंतरिक्ष विभाग (ISRO) और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी (CNES) ने फरवरी 2026 में अंतरिक्ष मलबा प्रबंधन पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत उपग्रहों की टक्कर से बचाव, अंतरिक्ष मलबे की निगरानी और सफाई तकनीकों पर संयुक्त अनुसंधान किया जाएगा, जो भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: ISRO प्रेस विज्ञप्ति, फरवरी 2026।

3. "The Great Indian Novel" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: शशि थरूर
व्याख्या: शशि थरूर का व्यंग्यात्मक उपन्यास "The Great Indian Novel" (1989) महाभारत की कथा के माध्यम से आधुनिक भारतीय राजनीति और इतिहास का पुनर्कथन प्रस्तुत करता है। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद की राजनीतिक घटनाओं को महाभारत के पात्रों और घटनाओं के साथ जोड़कर एक अनूठी व्यंग्यात्मक दृष्टि प्रदान करता है।
संदर्भ: Penguin Books India (2026)।

4. "सिमलीपाल बायोस्फीयर रिजर्व" किस राज्य में स्थित है? (पर्यावरण)
उत्तर: ओडिशा
व्याख्या: सिमलीपाल बायोस्फीयर रिजर्व ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित है और यह UNESCO के वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह 2,750 वर्ग किमी में फैला हुआ है और रॉयल बंगाल टाइगर, एशियाई हाथी, गौर तथा विभिन्न प्रकार के ऑर्किड का आवास है। यह अपनी समृद्ध जैव विविधता और आदिवासी संस्कृति के लिए जाना जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Geography, Ch 2 Land, Soil, Water, Natural Vegetation and Wildlife Resources, p. 35।

5. "सुभाष चंद्र बोस" ने "आज़ाद हिंद फौज" का गठन कहाँ किया? (इतिहास)
उत्तर: सिंगापुर
व्याख्या: सुभाष चंद्र बोस ने 1942 में सिंगापुर में आज़ाद हिंद फौज (Indian National Army - INA) का गठन किया, जिसे कैप्टन मोहन सिंह ने पहले शुरू किया था। बोस ने इसे पुनर्गठित किया और "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा" का नारा दिया। INA ने 1944 में ब्रिटिश भारत पर आक्रमण किया और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
संदर्भ: NCERT Class 10 History, Ch 3 Nationalism in India, p. 58।

"सामान्य-ज्ञान"

6. "जोग जलप्रपात" किस राज्य में स्थित है? (भूगोल)
उत्तर: कर्नाटक
व्याख्या: जोग जलप्रपात (जोगा फॉल्स) कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में शरावती नदी पर स्थित है। यह भारत का दूसरा सबसे ऊँचा एकल-धारा जलप्रपात है (253 मीटर ऊँचा) और चार अलग-अलग प्रपातों - राजा, राकेट, रोरर और रानी से मिलकर बना है। जोग जलप्रपात के पास ही एक बड़ी जलविद्युत परियोजना स्थित है।
संदर्भ: NCERT Class 9 Geography, Ch 3 Drainage, p. 27।

7. भारतीय संविधान का "अनुच्छेद 29" किससे संबंधित है? (संविधान)
उत्तर: अल्पसंख्यकों के हितों का संरक्षण
व्याख्या: अनुच्छेद 29 भारतीय संविधान में अल्पसंख्यकों के हितों के संरक्षण से संबंधित है। यह प्रावधान करता है कि भारत के राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग में रहने वाले नागरिकों के किसी अनुभाग को, जिसकी अपनी विशेष भाषा, लिपि या संस्कृति है, उसे बनाए रखने का अधिकार होगा। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों की गारंटी देता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Political Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 34।

8. "फोटोलिसिस" क्या है? (विज्ञान)
उत्तर: प्रकाश की उपस्थिति में जल का अपघटन
व्याख्या: फोटोलिसिस प्रकाश संश्लेषण की वह प्रक्रिया है जिसमें प्रकाश ऊर्जा की उपस्थिति में जल (H_2O) का अपघटन होता है और ऑक्सीजन गैस (O_2), प्रोटॉन (H^+) और इलेक्ट्रॉन (e^-) मुक्त होते हैं। यह प्रक्रिया पादपों के हरितलवक (क्लोरोप्लास्ट) में होती है और प्रकाश संश्लेषण का प्रकाश-निर्भर चरण है। फोटोलिसिस से मुक्त ऑक्सीजन वायुमंडल में जाती है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Biology, Ch 13 Photosynthesis in Higher Plants, p. 218।

9. "बांस शिल्प" किस राज्य की विशेषता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: असम
व्याख्या: बांस शिल्प असम की एक पारंपरिक कला है जो राज्य की समृद्ध बांस संस्कृति का हिस्सा है। असम के कारीगर बांस से फर्नीचर, घरेलू सामान, संगीत वाद्ययंत्र, सजावटी वस्तुएँ और यहाँ तक कि घर भी बनाते हैं। यह कला पर्यावरण अनुकूल है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, p. 145।

10. बिहार के किस जिले में "राजेंद्र कृषि विश्वविद्यालय" का मुख्य परिसर स्थित है? (बिहार GK)
उत्तर: समस्तीपुर (पूसा)
व्याख्या: डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (RPCAU) का मुख्य परिसर बिहार के समस्तीपुर जिले के पूसा क्षेत्र में स्थित है। इसकी स्थापना 1905 में इंपीरियल एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में हुई थी और यह भारत के प्रमुख कृषि अनुसंधान और शिक्षा संस्थानों में से एक है।
संदर्भ: Bihar Board Class 9 Social Science, Ch 7 Education in Bihar, p. 55।

"सामान्य-ज्ञान"

11. भूकंप के बाद बिजली के खंभों या तारों के गिरने की स्थिति में क्या सावधानी बरतनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा फरवरी W1)
उत्तर: बिजली के गिरे हुए खंभों या तारों से कम से कम 10 मीटर (33 फीट) की दूरी बनाए रखनी चाहिए, उन्हें छूने से बचना चाहिए, और तुरंत अधिकारियों या विद्युत विभाग को सूचित करना चाहिए। भूकंप के बाद के द्वितीयक खतरों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। गिरे हुए बिजली के तार घातक बिजली का झटका (इलेक्ट्रोक्यूशन) दे सकते हैं, भले ही वे सतह पर टूटे हुए दिखाई दें। विद्यार्थियों को सिखाया जाता है कि:
1. पानी के संपर्क में आने वाले तार विशेष रूप से खतरनाक होते हैं। 2. तारों के आसपास की गीली मिट्टी भी विद्युत का संचालन कर सकती है। 3. कार या धातु की वस्तुओं के संपर्क में आने

12. एक आयत की लंबाई उसकी चौड़ाई से 5 मीटर अधिक है। यदि परिमाप 38 मीटर है, तो आयत का क्षेत्रफल क्या है? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: 84 वर्ग मीटर
व्याख्या: माना चौड़ाई = x मीटर, तो लंबाई = (x + 5) मीटर, परिमाप = 2(लंबाई + चौड़ाई) = 2(x + 5 + x) = 2(2x + 5) = 4x + 10
प्रश्नानुसार: 4x + 10 = 38, 4x = 28, x = 7 मीटर (चौड़ाई), लंबाई = 7 + 5 = 12 मीटर,
क्षेत्रफल = लंबाई × चौड़ाई = 12 × 7 = 84 वर्ग मीटर
संदर्भ: Mathematics for Class 6, NCERT (पृष्ठ 156)।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Abandon (अबैन्डन) = Desert (डिज़र्ट) = त्याग देना
   Antonym – Retain (रिटेन) = बनाए रखना
2. Accurate (एक्युरेट) = Precise (प्रिसाइज़) = सटीक
   Antonym – Inaccurate (इनएक्युरेट) = असटीक
3. Hostile (हॉस्टाइल) = Aggressive (अग्रेसीव) = शत्रुतापूर्ण
   Antonym – Friendly (फ्रेंडली) = मैत्रीपूर्ण
4. Diminish (डिमिनिश) = Decrease (डिक्रीज़) = कम होना / करना
   Antonym – Increase (इन्क्रीज़) = बढ़ना / बढ़ाना
5. Mandatory (मैंडेटरी) = Compulsory (कम्पल्सरी) = अनिवार्य
   Antonym – Optional (ऑप्शनल) = वैकल्पिक

~: संकलन :~
घनश्याम प्रसाद
प्रधान शिक्षक
Govt. PS सिधाव थारुटोला
बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Rahul Gandhi and Rajnath Singh spar over Chinese aggression allegations.
राहुल गांधी एवं राजनाथ सिंह चीनी आक्रमण आरोपों पर आपस में टकराए।
राहुल गांधी ने चीनी आक्रमण की बात की, जिस पर राजनाथ सिंह ने प्रतिक्रिया दी, जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर देती है।

Supreme Court issues notice over anti-conversion law in Uttar Pradesh.
उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया।
कोर्ट ने धर्मांतरण विरोधी कानून की वैधता पर सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया, जो संवैधानिक मुद्दों पर जोर देता है।

Mamata Banerjee confronts police at Banga Bhawan over SIR exercise.
ममता बनर्जी ने SIR अभ्यास पर बंगा भवन में पुलिस के साथ मुठभेड़ की।
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने SIR अभ्यास से प्रभावित परिवारों के साथ हो रहे उत्पीड़न का आरोप लगाया, जो चुनावी नामावली संशोधन पर जोर देता है।

INTERNATIONAL NEWS

Iran warns of 'devastating' retaliation if US attacks; Turkey plans Iran incursion.
ईरान ने अमेरिकी हमले की स्थिति में 'भयावह' प्रतिशोध की चेतावनी दी; तुर्की ने ईरान में प्रवेश की योजना बनाई।
ईरान ने युद्ध की तैयारी की, जबकि तुर्की ने ईरान के भीतर सैन्य कार्रवाई की घोषणा की।

US continues pressure on Venezuela; Maduro regime faces isolation.
वेनेजुएला पर अमेरिकी दबाव जारी; मादुरो सरकार अलगाव का सामना कर रही।
यूएस ने निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क ले गया, जिससे देश अंतरराष्ट्रीय अलगाव में।

Syrian government reaches deal with Kurdish forces for gradual integration.
सीरियाई सरकार ने कुर्दिश बलों के साथ धीरे-धीरे एकीकरण के लिए समझौता किया।
समझौते से कुर्दिश बलों एवं प्रशासन को सीरियाई राज्य में शामिल किया जाएगा, जो युद्ध के बाद स्थिरता लाने के लिए महत्वपूर्ण है।

BIHAR NEWS

Bihar govt launches new scheme for SC/ST students in higher education.
बिहार सरकार ने उच्च शिक्षा में एससी/एसटी छात्रों के लिए नई योजना शुरू की।
स्कॉलरशिप, स्टाइपेंड एवं कोचिंग सुविधाएं शामिल, जो राज्य के सामाजिक वर्गों को लाभ पहुंचाएंगी।

Bihar Legislative Assembly passes resolution on Republic Day 2026 celebrations.
बिहार विधानसभा ने गणतंत्र दिवस 2026 समारोह पर प्रस्ताव पारित किया।
पटना गांधी मैदान पर ध्वजारोहण एवं परेड की सफलता की सराहना की गई।

SPORTS NEWS

India A defeat USA in T20 World Cup 2026 warm-up match by 38 runs.
टी20 विश्वकप 2026 वार्म-अप मैच में भारत ए ने यूएसए को 38 रन से हराया।
भारत ए ने यूएसए को हराकर टूर्नामेंट की तैयारी में मजबूत प्रदर्शन दिखाया।

Tilak Varma clears fitness test on comeback after surgery.
सर्जरी के बाद वापसी पर तिलक वर्मा ने फिटनेस टेस्ट पास किया।
तिलक वर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया, जो टीम के लिए मजबूत विकल्प है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आइए, मिलकर बच्चों के भविष्य को सिर्फ़ सूचना से नहीं, समझ से सशक्त करें। 🌱📘

प्रेरक निबंध

"बाल अधिकार और बाल कर्तव्य"

बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बाल अधिकार और बाल कर्तव्य दोनों का समान रूप से महत्व है। अधिकार बच्चों को सुरक्षा और अवसर देते हैं, जबकि कर्तव्य उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनना सिखाते हैं।

बाल अधिकारों में शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, खेलने का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार और सम्मान के साथ जीने का अधिकार शामिल है। शिक्षा का अधिकार हर बच्चे को सीखने और आगे बढ़ने का अवसर देता है। स्वास्थ्य और सुरक्षा का अधिकार बच्चों को बीमारियों, हिंसा और शोषण से बचाता है। खेलने का अधिकार बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए बहुत आवश्यक है।

लेकिन अधिकारों के साथ-साथ बाल कर्तव्य भी उतने ही जरूरी हैं। बच्चों का कर्तव्य है कि वे नियमित रूप से पढ़ाई करें, अपने माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करें, विद्यालय के नियमों का पालन करें और स्वच्छता बनाए रखें। अपने साथियों से प्रेम और सहयोग करना भी एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है। जब बच्चे अपने कर्तव्यों को समझते हैं, तभी वे अपने अधिकारों का सही उपयोग कर पाते हैं।

बाल कर्तव्यों में पर्यावरण की रक्षा करना, सार्वजनिक संपत्ति की देखभाल करना और समाज में अनुशासन बनाए रखना भी शामिल है। छोटे-छोटे प्रयास, जैसे कूड़ा सही जगह डालना, पानी बचाना और पेड़-पौधों की रक्षा करना, समाज के लिए बड़े योगदान बन जाते हैं।

अंततः, बाल अधिकार और बाल कर्तव्य एक-दूसरे के पूरक हैं। अधिकार बिना कर्तव्य के अधूरे हैं और कर्तव्य बिना अधिकार के कठिन। यदि बच्चे अपने अधिकारों को जानें और कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें, तो वे न केवल स्वयं आगे बढ़ेंगे, बल्कि देश और समाज को भी सशक्त बनाएँगे। सजग बच्चे ही सशक्त भविष्य की नींव होते हैं।

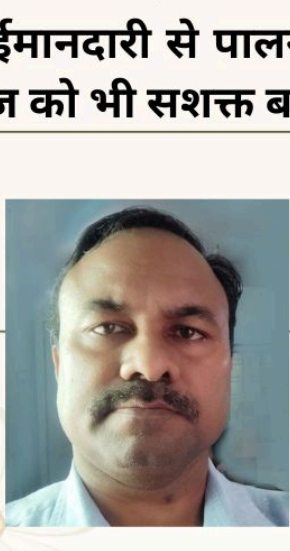

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"विद्यालय में महापुरुषों की जयंती कैसे मनाएँ?"

विद्यालय के छात्रों में राष्ट्रीय चेतना विकसित करने, अच्छे संस्कार उत्पन्न करने, कुछ करने को प्रेरित करने हेतु एवं आपसी सहयोग बढ़ाने हेतु हमें विद्यालय में नियमित रूप से महापुरुषों की जयंती मनानी चाहिए। इससे छात्रों को जहां उन महापुरूषों के बारे में जानकारी मिलती है वहीं वे उन महापुरूषों के संघर्षों के बारे में जानकर देश एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक भी होते हैं। इस गतिविधि से हमें छात्रों को प्रेरित करने का एक अच्छा अवसर भी प्राप्त होता है।, परंतु इसके लिए हमें महापुरूषों की जयंती को विद्यालय में सुव्यवस्थित तरीके से मनाना चाहिए। आज तक विद्यालय में विभागीय आदेश के अनुपालन हेतु महापुरूषों की जयंतियां मनाईं जा रही हैं। जयंती आयोजन के नाम पर उनकी तस्वीर पर शिक्षकों और विद्यालय प्रधान द्वारा माल्यार्पण कर तथा उनके जीवन के बारे में दो चार वाक्य छात्रों को संबोधित किया जा रहा है तथा संबंधित तस्वीरों को सोशल मीडिया एवं विभागीय साईट पर अपलोड कर दिया जा रहा है। इस प्रक्रिया में छात्रों का मुख्य काम संभवतः ताली बजाने तक ही सीमित रह जा रहा है। यदि ऐसा हो रहा है तो विद्यालय में महापुरूषों की जयंती मनाने का उद्देश्य बिल्कुल भी प्राप्त नहीं हो पायेगा।

यदि हम वास्तव में विद्यालय में महापुरूषों की जयंती मनाना चाहते हैं तो हमें विद्यालय में कार्यक्रम की पूर्व तैयारी करनी चाहिए। संबंधित महापुरुष की जीवन-कथा, विचार और योगदान का संक्षिप्त संकलन स्वयं या छात्रों के माध्यम से करना चाहिए। कक्षा-वार छात्रों की भूमिकाएँ निर्धारित करते हुए किसी को भाषण किसी को कविता तो कुछ छात्रों को नाटक करने जैसी भूमिका का आवंटन करना चाहिए। विद्यालय के प्रार्थना मंच को महापुरूष के पोस्टर, चार्ट,चित्र, नारों आदि से सजाना चाहिए। विद्यालय के यूथ क्लब या बाल संसद को कार्यक्रम आयोजित करने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। विद्यालय प्रधान, शिक्षकों एवं छात्रों के द्वारा महापुरुष के चित्र पर माल्यार्पण किया जाना चाहिए। दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगीत, प्रार्थना सभा आयोजित करने के उपरांत विद्यालय में शैक्षिक व सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित किया जाना चाहिए। महापुरूषों के जीवन और आदर्शों पर भाषण,कविता, गीत, नाटक,एकांकी आदि का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके अलावा उनकी जीवनी पर आधारित चित्रकला, निबंध एवं क्विज जैसे प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाना चाहिए। महापुरूषों के जीवन से जुड़ी घटनाओं को शिक्षा एवं दैनिक जीवन से जोड़कर समझाना चाहिए।

अंत में भाग लेने वाले छात्रों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र आदि देकर सम्मानित किया जाना चाहिए। प्रधानाध्यापक या किसी शिक्षक द्वारा प्रेरक संदेश देते हुए कार्यक्रम का समापन किया जाना चाहिए। अगर विद्यालय में हम ऐसा कर पाते हैं तो हमारे छात्र महापुरुषों के आदर्शों को अपनाने हेतु प्रेरित होंगे और विद्यालय में जयंती मनाने का औचित्य भी पूर्ण होगा। तो आईए हम प्रण लें कि हम अपने विद्यालय में महापुरूषों की जयंती औचित्यपूर्ण ढंग से मनायेंगे।

..................✍️

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-8

"परीक्षा पर चर्चा "

"इंटर का दूसरा दिन: पहले पेपर से सीखो"

Exam Warriors! आज 3 फरवरी 2026 है। बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा का दूसरा दिन चल रहा है। कल पहला पेपर देने वाले लाखों छात्र आज फिर से हॉल में हैं – कुछ के चेहरे पर हल्की मुस्कान, कुछ के मन में थोड़ी सी घबराहट, लेकिन सबके अंदर एक ही जज्बा: “अब और बेहतर करना है।”

'परीक्षा पर चर्चा' 2026 आज तुम्हें यही याद दिला रहा है:

पहला पेपर बीत गया – उससे सीख लो, लेकिन उसमें फँसो मत। हर पेपर नई शुरुआत है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संदेश आज सबसे पहले तुम्हारे लिए:

“एक पेपर से जीवन तय नहीं होता। मेहनत और शांति से हर पेपर को अपना बनाओ।”

आज (दूसरे दिन) और आने वाले हर पेपर के लिए 8 तुरंत अपनाने योग्य टिप्स:

कल के पेपर को 'क्लोज़ फाइल' कर दो। कल क्या हुआ – अच्छा रहा या मुश्किल – अब उस पर विचार मत करो। खुद से कहो: “कल बीत गया। आज नया पेपर है – मैं तैयार हूँ।”

सुबह का 'फोकस रिचार्ज': उठते ही 5 मिनट गहरी साँस + हल्का स्ट्रेचिंग। ब्रेकफास्ट में कुछ एनर्जी वाला (केला + दूध/अंडा/पराठा)। मन में 5 बार: “आज मेरा दिन है।”

पेपर शुरू होने से पहले 1 मिनट का 'मिनी-मंत्र'- गहरी साँस लो और बोलो: “मैं शांत हूँ। मैं फोकस्ड हूँ। मैं अपना बेस्ट दूँगा।”

पेपर में 'स्मार्ट स्ट्रैटेजी'- पहले 5 मिनट: पूरा पेपर पढ़ो। आसान और मध्यम सवाल पहले करो। समय का ध्यान रखो (हर सेक्शन पर नजर)। लंबे जवाब में पहले पॉइंट्स लिखो, फिर विस्तार। घबराहट आए तो तुरंत पेन नीचे रखो → 3 गहरी साँस (4 सेकंड अंदर, 6 बाहर) → आँखें बंद करके 10 सेकंड कल्पना करो कि तुम अच्छा लिख रहे हो। फिर वापस शुरू।

पेपर खत्म होने के बाद 'पॉजिटिव क्लोजर'- बाहर आते ही खुद को शाबाशी दो:

“मैंने आज भी पूरा प्रयास किया।” दोस्तों से सिर्फ इतना कहो: “चलो, अगले के लिए तैयार हो जाओ।”

रात का 'स्मार्ट 60 मिनट': कल के पेपर के सबसे महत्वपूर्ण टॉपिक्स/फॉर्मूला/की-पॉइंट्स दोहराओ। ज्यादा नहीं – दिमाग को ओवरलोड मत होने दो।

सोने से पहले का शुक्रिया 2 मिनट: “आज मैंने जो किया, उसके लिए धन्यवाद। कल और बेहतर करूँगा।” फिर शांत नींद – क्योंकि अच्छी नींद = अच्छा पेपर।

अभिभावकों से आज का संदेश:- बच्चा घर आए तो सबसे पहले कहो: “वापस आ गया! थक गया होगा। हम बहुत गर्व कर रहे हैं कि तुम इतने मजबूती से लड़ रहे हो।” बस इतना – बच्चे का मन हल्का हो जाएगा और अगले पेपर के वह उत्साहित होगा।

सभी परीक्षार्थियों को ढेर सारी शुभकामनाएँ! तुम्हारी मेहनत रंग लाएगी।

#ExamWarriors #BiharBoard2026 कल फिर मिलेंगे – तीसरे दिन के लिए और मजबूत होकर। जय हिंद! जय बिहार!

.................✍
रवीन्द्र कुमार
ज़िला शिक्षा पदाधिकारी
प. चम्पारण, बेतिया।

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"

रा. प्रा. वि. करमहवा टोला, बगहा - 2

मोहनलाल राम
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. करमहवा टोला,
बगहा -2, प. चम्पारण

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अंतिम संबोधन - 31.01.2026

आदरणीय मुख्य अतिथि महोदय,
प्रिय सहकर्मीगण, मेरे प्यारे शिक्षक-शिक्षिकाओं,
मेरे बच्चे—प्रिय छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित सभी प्रियजन,

आज का यह पल मेरे जीवन की सबसे भावुक घड़ी है। जैसे कोई पुराना साथी अलविदा कहता है, वैसे ही आज मैं अपने इस प्रिय बगहा-2 प्रखंड के शिक्षा परिवार से विदाई ले रहा हूँ। 31 जनवरी 2026—यह तारीख मेरे लिए सिर्फ सेवानिवृत्ति की नहीं, बल्कि अनगिनत यादों, संघर्षों और सफलताओं की एक किताब का अंतिम पन्ना है। मेरे हृदय में उमड़ते भावों को शब्दों में बांधना कठिन है, क्योंकि आप सभी ने मुझे इतना प्यार दिया है कि मैं खुद को कभी अकेला महसूस नहीं किया। आंसुओं के बीच मुस्कुराते हुए, मैं कहना चाहता हूँ कि यह विदाई नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है—आपकी यादों के साथ मेरी।

सबसे पहले, आप सभी के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता। आपकी उपस्थिति, आपका स्नेह, आपका अटूट विश्वास—यही मेरे कार्यकाल की सबसे बड़ी पूंजी रही है। मैंने कभी पद की गरिमा को अपने व्यवहार में बाधा नहीं बनने दिया। मैं वही सहज, वही विनम्र और वही सादगीपूर्ण बिजय कुमार यादव रहा हूँ, जो पहले था। बिहार शिक्षा सेवा में प्रोन्नति के बाद भी यदि मेरी वही पुरानी मुस्कान, वही मिलनसार स्वभाव और वही सरलता आपको दिखाई दी, तो यह आप सभी के प्रेम और सहयोग का परिणाम है। आपने मुझे कभी ऊँचा-नीचा नहीं समझा; बल्कि, हर छोटे-बड़े ने मेरे प्रति गहरा सम्मान दिखाया। यह सम्मान मेरे लिए पदक से कम नहीं—यह मेरे दिल की सबसे कीमती संपदा है। कभी-कभी सोचता हूँ, क्या मैं इसके योग्य हूँ? लेकिन आपका प्यार ही मेरी ताकत रहा है।

अब बात उन उपलब्धियों की, जो हमने मिलकर हासिल कीं। मेरे कार्यकाल में बगहा-2 प्रखंड, खासकर अतिरिक्त क्षेत्र, शिक्षा के नवाचारों में सदैव अग्रणी रहा। लगभग हर विद्यालय में हमने BALA (बिल्डिंग ऐज लर्निंग एड) पेंटिंग्स की रंगीन शुरुआत की—वे दीवारें अब सिर्फ ईंटों की नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की कैनवास बन गईं। स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना ने शिक्षा को आधुनिक बनाया, जहाँ बच्चे स्क्रीन पर दुनिया देखकर सीखते हैं। साउंड सिस्टम, माइक आदि की व्यवस्था ने कक्षाओं को जीवंत बना दिया—अब शिक्षकों की आवाज हर कोने तक पहुँचती है, और बच्चे उत्साह से भाग लेते हैं। हमने पोडियम खरीदकर उपयोग किया, ताकि हर कार्यक्रम गरिमामय हो। रनिंग वाटर और हैंड वाश स्टेशन की सुविधा ने स्वच्छता को प्राथमिकता दी—बच्चे अब स्वस्थ रहकर पढ़ाई करते हैं। सुंदर शौचालय, सुंदर कार्यालय और विद्यालय परिसर में हरी-भरी गार्डेनिंग ने पूरे वातावरण को बदल दिया। ये फूल, ये हरियाली—ये सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि बच्चों के मन को शांत और प्रेरित करने वाले माध्यम हैं। BRC बगहा - 2 परिसर की चहारदीवारी, मिट्टी भराई एवं 2022 बैच के शिक्षकों के सहयोग से निर्मित गुरु वाटिका बगहा - 2 के शिक्षकों की गौरव गाथा का अमर संदेश सदा देता रहेगा।

ये सब प्रयास मात्र स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहे; राज्य स्तर तक इनकी प्रशंसा हुई। प्रखंड बगहा-2 का अतिरिक्त क्षेत्र हमेशा नवाचारों में सबसे आगे रहा—यह हमारी सामूहिक मेहनत का प्रमाण है। हमारे विद्यालय सुंदर, सुसज्जित, समयबद्ध, नियमबद्ध, बेहतर प्रबंधन युक्त और अधिकांशत: शिकायत रहित रहे।

बिजय कुमार यादव
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी
(बिहार शिक्षा सेवा)
बगहा -2, अतिरिक्त
प. चम्पारण।

ये जिला से लेकर राज्य तक के पदाधिकारियों के लिए आकर्षण के केंद्र बने। उदाहरण के लिए, प्राथमिक विद्यालय रोहुआ टोला, प्राथमिक विद्यालय करमहवा टोला, प्राथमिक विद्यालय केरई-बेरई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सोहरिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मदनपुर, उत्क्रमित उच्च विद्यालय लक्ष्मीपुर—ये दर्जनों विद्यालय विभिन्न स्तरों पर प्रशंसा के पात्र बने। सभी पदाधिकारी गण यह मानते हैं कि बगहा-2 क्षेत्र, खासकर अतिरिक्त क्षेत्र, पूरे जिले में सबसे बेहतर स्थिति में है। यह सुनकर मेरा हृदय गर्व से भर जाता है, लेकिन साथ ही भावुक भी—क्योंकि यह सफलता मेरी अकेली नहीं, हम सबकी है।

इन सबके पीछे कुछ विशेष व्यक्तियों का अतुलनीय योगदान रहा। इस अवसर पर मैं आदरणीय श्री फणीशचंद्र पाठक जी, सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बगहा-2, एवं पूर्व BRP शैलेन्द्र कुमार और पिंटू जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आपका सहयोग, आपकी रचनात्मकता और आपका समर्पण—ये सबने मिलकर इन नवाचारों को साकार किया। आप जैसे साथी मिले, इसलिए मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूँ।

वर्तमान प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आदरणीय फूदन बाबू का भी हर कदम पर लगातार अतुलनीय साथ एवं समर्थन मुझे मिलता रहा। वह भी एक सकारात्मक सोच और विकासवादी कार्यों को आगे बढ़ाने वाले व्यक्तियों में से हैं। इनका व्यक्तित्व भी अत्यंत सहज एवं शालीन है। मैं इनके साथ और सहयोग के लिए तहे दिल से इनका आभार प्रकट करता हूं और आप सभी से अपील करता हूं की इनको अपना सहयोग और समर्थन सदा देते रहें।

अब जा रहे समय में मैं केवल

इतना कहना चाहता हूँ—इस प्रखंड के शिक्षा परिवार को और मजबूत बनाइए। नए आने वाले साथियों को पूरा सहयोग दीजिए। हमारे बच्चे ही हमारा भविष्य हैं—उनके लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करते रहिए। मैं उम्मीद करता हूँ कि बगहा-2 अपनी प्रतिष्ठा एवं संस्कृति के अनुकूल ऐसे ही सदैव विभिन्न नवाचारी एवं सकारात्मक कार्यों में लगातार आगे रहेगा। यह कार्य संस्कृति आगे भी जारी रहेगी—यह मेरा विश्वास है।

मेरे परिवार, मेरे सहकर्मियों, मेरे शिक्षक साथियों और इन मासूम बच्चों—आप सबका हृदय से आभार। आपका दिया हुआ प्यार, सम्मान और यादें मेरे साथ हमेशा रहेंगी। सेवानिवृत्ति के बाद भी, यदि कभी जरूरत पड़े, तो मैं हमेशा उपलब्ध रहूँगा। आंसुओं के साथ मुस्कुराते हुए अलविदा कहता हूँ—नहीं, मिलते रहेंगे।

धन्यवाद।

आप सब सदा खुश, स्वस्थ और समृद्ध रहें।

जय हिंद!

बिजय कुमार यादव
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी
(बिहार शिक्षा सेवा)
बगहा -2, अतिरिक्त
प. चम्पारण।

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org